तक नहीं आई है और वह मैंने आप से निवेदन कर दिया है ।

Seminar on Reporting for Radio

+

*303. SHRI RAM VILAS PASWAN:
SHRI RAJESH KUMAR SINGH:

Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to lay a statement showing:

(a) whether it is a fact that a Seminar on reporting for Radio was held in Delhi recently;

(b) if so, the salient features of the suggestions made at the Seminar; and

(c) reaction of Government with regard thereto?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (KUMARI KUMUDBEN M. JOSHI): (a) Yes Sir.

(b) No specific suggestions were made or resolutions passed at the Conference. However, in the course of the speeches and the discussions which followed, some ideas have been thrown up. A report on the proceedings of the Seminar is under preparation.

(c) The question of Government's reaction will arise only after the report is received and studied.

श्री राम विलास पासवान : अध्यक्ष महोदय, ** शब्द अनपार्लियामेण्टरी है लेकिन यह बिल्कुल असत्य है, जो मंत्री महोदय ने अपने जवाब में दिया है ।

श्री मनी राम बागड़ी : 'असत्य' और ** में कोई फर्क है क्या ?

श्री राम विलास पासवान : अपने जवाब में उन्होंने कहा है :

"No specific suggestions were made...."

और फिर उन्होंने कहा है :

"In the course of the speeches and the discussions...."

मेरे पास समय नहीं है, नहीं तो मैं आप को बतलाता उस दिन की पूरी प्रोसीडिंग्स पढ़ कर । मंत्री जी, साठे साहब स्वयं वहां मौजूद थे और उन्होंने भी सजेश्चन दिया था । दूसरों की बात तो छोड़ दीजिए, साठे साहब ने भी सजेश्चन दिया था । कुमारी कुमुदबेन जोशी ने शायद कोई सजेश्चन न दिया हो, लेकिन उन्होंने स्वयं सजेश्चन दिया है । उस दिन बहुत से सुझाव आए थे और रेडियो और टेलीवीजन को ग्रोटोनामी देने के पक्ष में भी सुझाव थे । आप यदि कहें, तो मैं नाम दे सकता हूं कि किन किन लोगों ने सुझाव दिये थे । विभिन्न समाचारपत्रों के सम्पादक वहां थे और उन के नाम मैं दे सकता हूं लेकिन उस की आवश्यकता नहीं है । मैं यह पूछना चाहता हूं कि उन सुझावों को ध्यान में रख कर क्या सरकार टी० वी० और रेडियो को स्वायत्तता प्रदान करेगी ?

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री बसंत साठे) : जहां तक सुझावों का सवाल है, जितने भी सुझाव वहां दिये गये थे, वे सारे एकत्रित कर के कम्पाइल किये जा रहे हैं और उस की एक रिपोर्ट तैयार की जा रही है और उन सब पर विचार किया जाएगा ।

जहां तक स्वायत्तता का सवाल है, सरकार ने अपनी भूमिका इसके पहले स्पष्ट कर दी है कि स्वायत्तता देने और सम्पूर्ण स्वायत्त संगठन बनाने का कोई सवाल पैदा नहीं होता । व्यवस्थागत—फंक्शनल ग्रोटोनामी जिसे कहते हैं—, जितनी स्वायत्तता देनी चाहिए, उतनी दे रहे हैं, आज भी दे रहे हैं और आगे भी देते रहेंगे ।

**Expunged as ordered by the Chair.

श्री राम विलास पासवान : मेरा दूसरा प्रश्न यह है कि उसमें ये सुझाव भी आए थे और शिकायत भी की गई थी कि इस में कांस्ट्रक्टिव नाम से प्रोपेगेण्डा होता है और व्यक्ति पूजा ज्यादा होती है, मंत्रियों और प्रधान मंत्री जी का ज्यादा उल्लेख किया जाता है।..(व्यवधान)..रिपोर्टिंग में यह आया है, मैं रिपोर्टिंग की बात कह रहा हूं, आप उस को पढ़िए। रिपोर्टिंग में यह है और मंत्री जी, आपने भी यह सुझाव दिया है कि सम्पूर्ण संकलन जो था, उसके प्रसारण में भी सुधार किया जाना चाहिए और आप ने अपने भाषण में भी कहा था। तो मैं आप से जानना चाहता हूं कि जो व्यक्ति पूजा और प्रोपेगेंडा है और मंत्रियों और अफ़सरशाही का जो दबदबा है, क्या उसके सम्बन्ध में आप कोई नीति निर्धारित करने जा रहे हैं। आप ने कहा था कि जो समाचार संकलन है, उस के प्रसारण में सुधार किया जाना चाहिए। क्या उस में सुधार करने का आप का कोई विचार है ?

श्री बसंत साठे : अध्यक्ष जी, सुधार के लिए तो हमेशा गुंजाइश होती है और इस की हमेशा इच्छा रहनी चाहिए और हमारी यह इच्छा है कि सुधार होना चाहिए और लगातार हमारा यह प्रयत्न है।

जहां तक आप ने व्यक्ति पूजा और अन्य चीजों का आरोप लगाया है, वह निराधार है, झूठा है और मनगढ़त है।..(व्यवधान)..।

MR. SPEAKER: *Joot is out.*

श्री बसंत साठे : जो असत्य है और इसलिए मेरा कहना यह है कि बार-बार जो ये आरोप लगाए जाते हैं, वे अशोभनीय हैं, मेरा जहां तक ख्याल है। जिस किसी ने भी लगाए हों, उस से मतलब नहीं होता है, वे असत्य हैं और अशोभनीय हैं। आपने देखा होगा, कि सब विचार के लोगों को, विपक्ष के विचार के लोगों को भी बराबर मौका देने का प्रयास हम कर रहे हैं और दूरदर्शन और रेडियो पर भी समान गति से उनकी बात कही जाती है।

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

दक्षिण राज्यों में ऊर्जा मंत्रियों का सम्मेलन

*291. श्री रामावतार शास्त्री : क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि हाल में हैदराबाद में दक्षिणी राज्यों के ऊर्जा मंत्रियों का एक सम्मेलन हुआ था, जिसमें उन्होंने भाषण दिया था ;

(ख) यदि हां, तो उक्त सम्मेलन में किन-किन मुद्दों पर विचार किया गया था; और

(ग) सम्मेलन में लिए गए निर्णयों का ब्यौरा क्या है ?

ऊर्जा मंत्री (श्री ए० बी० ए० गनी खान चौधरी) : (क) से (ग). दक्षिणी राज्यों के ऊर्जा मंत्रियों का सम्मेलन हैदराबाद में 10 फरवरी, 1981 को हुआ था।

उपर्युक्त सम्मेलन में मुख्य रूप से निम्नलिखित विषयों पर विचार-विमर्श हुआ था :—

1. प्रत्येक राज्य तथा क्षेत्र में विद्युत् सप्लाई की स्थिति और विद्युत् उत्पादन को अधिकतम करने के लिए उपाय।